DAINIK JAGRAN (JAGRAN CITY), Delhi, 10.3.2022
Page No. 1, Size:(10.49)cms X (19.00)cms.

कंपनियों से जुड़ेगी डीयू की फैकल्टी, शोध पर जोर

संजीव कुमार मिश्र ● नई दिल्ली

दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) अब विभिन्न कंपनियों के साथ कदमताल करेगा। उद्योगों की समस्याओं पर शोध किए जाएंगे। नई तकनीक के इस्तेमाल का रास्ता खोला जाएगा और छात्रों के प्लेसमेंट पर भी ध्यान दिया जाएगा। यह पहली बार है जब डीयू इस तरह की पहल कर रहा है। रिसर्च काउंसिल, इंडियन चैंबर आफ कामर्स, दिल्ली विश्वविद्यालय के उच्च पदाधिकारियों के बीच बैठक भी हुई। फिलहाल विज्ञान संकाय की फैकल्टी विभिन्न कंपनियों से जुड़ेगी। बाद में अन्य संकाय और विभाग भी इसके दायरे में आ सकते हैं।

डीयू उच्च पदस्थ सूत्रों ने बताया कि शताब्दी वर्ष में यह पहल फलीभूत होगी। अभी विज्ञान संकाय को इसके लिए चुना गया है। बाद में अन्य संकायों की फैकल्टी भी इसमें शामिल होगी। इस पहल के तहत फैकल्टी विभिन्न कंपनियों से जोड़ी जाएंगी। इसमें सरकारी, गैर सरकारी कंपनियां शामिल होंगी। शिक्षक, इन कंपनियों की जरूरत के अनुसार शोध, तकनीकी अविष्कार की रूपरेखा तैयार करेंगे। इसमें शोधार्थियों की भी मदद ली जाएगी। इस पहल से छात्रों का प्लेसमेंट भी बढ़ेगा। छात्र, पढ़ाई के साथ-साथ उद्योग जगत से जुड़कर धरातल पर पेश आने वाली समस्याओं को समझ सकेंगे।

पहल

- दिल्ली विश्वविद्यालय ने पहली बार की इस तरह की पहल
- पहले चरण में विज्ञान संकाय की फैकल्टी जुड़ेगी

आइआइटी ने की शुरूआत

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) दिल्ली ने काफी पहले ऐसी शुरूआत की थी। इसे कारपोरेट रिलेशन नाम दिया गया है। सेंटर फार एक्सीलेंस के तहत प्रोफेसर, विभिन्न कंपनियों से जुड़ते हैं। स्टार्टअप और शोध को भी बढ़ावा दिया जाता है। आइआइटी से इंडियन आयल, गेल, एमआइ, टाटा कंसल्टेंसी सर्विस, टाटा कम्यूनिकेशन, कोल इंडिया, सैमसंग, बीएचईएल सरीखी कंपनियां जुड़ी हुई हैं।

अन्य विभाग भी जुड़ेंगे: पहले चरण में विज्ञान संकाय के सभी 10 विभाग जुड़ेंगे। बुधवार को डीयू प्रशासनिक अधिकारियों, विज्ञान संकाय की फैकल्टी, रिसर्च काउंसिल और इंडियन चैंबर आफ कामर्स के पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसमें लंबी वार्ता हुई। डीयू प्रशासन की मानें तो बहुत जल्द एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाएगी। एक कमेटी भी गठित की जाएगी जो विभिन्न कंपनियों से संपर्क करेगी।